सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद – ३८०००४.

सत्संग प्रवेश – १

PIN HERE

रविवार, 16 जुलाई, 2006 **समय : सुबह 9.00 से 11.15** **कुल अंक : 75**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण
BAPS

इस कोष्टक में
प्रवेश-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

PIN HERE

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक (अंको में)

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें ।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	1 (6)	
	2 (6)	
	3 (5)	
	4 (5)	
	5 (6)	
	6 (4)	
	7 (6)	
	8 (4)	
	9 (5)	
	10 (4)	
	11 (5)	
	12 (4)	
	13 (15)	
	कुल गुण	

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....

PIN HERE

મોડરેશન વિભાગ માટે જ
ગુણ શબ્દોમાં . . . . .
ચેકર - નામ
ફરી તપાસનાર . . . . .
સુધરેલ ગુણ

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

प्रवेश-१

मोडरेशन विभाग	गुण : प्र-१		प्र-२	

परीक्षक ने दिए हुए गुण प्र-१ ( ) प्र-२ ( )

(विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र)

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. ''मैं तो आपको इतना ही देता हूँ, परन्तु वर्णी आपको खूब देंगे ।'' गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

२. ''आपको वरदान देनेवाला मैं कौन ?'' गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

३. ''तुम यहाँ क्या कर रहे हैं ? यहाँ से कहाँ जाओगे ?'' गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. लोज में नीलकंठवर्णी के पास सबसे अधिक गोबर इकट्ठा होता था । गुण : २

.....

.....

.....

२. भगवानदास ने नीलकंठ को भगवान माना । गुण : २

.....

.....

.....

३. तेलंगी ब्राह्मण का रूप काला और कुरूप हो गया था । गुण : २

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्नलिखित में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ जगन्नाथपुरी में । २. महादत राजा के महल में । ३. नरसिंह मेहता को दर्शन ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ५

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ को पुलहाश्रम का मार्ग किसने दिखाया ? गुण : १

....

....

२. हरकी पेड़ी पर किस राजा को नीलकंठवर्णी के फिर दर्शन हुए ? गुण : १

....

....

मोडरेशन विभाग	गुण : प्र-४		प्र-५		प्र-६	

परीक्षक ने दिए हुए गुण प्र-४ ( ) प्र-५ ( ) प्र-६ ( )

३. रामानंद स्वामी ने सहजानंद स्वामी को कब और कहाँ धर्मधुरा सौंपी ? गुण : १

.....

.....

४. बोचासण में नीलकंठ को किसने क्या भोजन दिया ? गुण : १

.....

.....

५. रता बशिया पूर्वजन्म में कौन था ? गुण : १

.....

.....

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें । (कुल गुण : ६)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. असुरों का नाश कहाँ कहाँ पर हुआ ? गुण : २

(१) ☐ जनकपुर । (२) ☐ वेंकट्रादि । (३) ☐ मानसपुर । (४) ☐ कांचीपुरम् ।

२. लोज आश्रम की विशिष्टता । गुण : २

(१) ☐ अनादि अक्षरब्रह्म की जन्मभूमि है । (२) ☐ पाँच भेदों का तत्त्वज्ञान मान्य था ।

(३) ☐ स्त्री – धन के त्याग की भावनावाले संत थे । (४) ☐ सदा साकार भगवान की भक्त सहित उपासना थी ।

३. नीलकंठ द्वारा तपस्वीओं को किए गए प्रश्न । गुण : २

(१) ☐ प्रगट प्रभु के बिना मोक्ष की प्राप्ति कैसे करोगे ? (२) ☐ आप यहाँ वन में क्यों आए हैं ?

(३) ☐ प्रगट प्रभु कैसे मिलेंगे ? (४) ☐ प्रगट प्रभु मिलेंगे ?

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. नीलकंठ को सरयु में ..... ने फेंक दिया । गुण : १

२. नीलकंठ ने मुक्तानंद स्वामी से कहा, 'इस दीवाल मे यह जो गोखा है वह ..... में छिद्र जरूर करेगा ।' गुण : १

३. नीलकंठ ने ..... को मछलियाँ मारने से रोका । गुण : १

४. पिबैक के मंत्रे हुए दाने के धुएँ में से ..... और बटुकवीर निकले । गुण : १

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १)

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ६)

१. ''मेरे मन की यह झंझट आप ही को निपटानी है ।'' गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

मोडरेशन विभाग	गुण : प्र-७		प्र-८		प्र-९	

परीक्षक ने दिए हुए गुण प्र-७ ( ) प्र-८ ( ) प्र-९ ( )

२. ''देखे तो सही वह कैसे भगवान हैं ?''

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

३. ''हम तो झीणाभाई को अक्षरधाम देना चाहते है ।''

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. भगतजी महाराज जेठाभाई के गले लगे ।

गुण : २

.....

.....

.....

२. शुकमुनि को हररोज रातभर बुखार रहता था ।

गुण : २

.....

.....

.....

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी

१. नारायणकवच की रचना शुकानंद स्वामी ने की है । **२.** महाराज ! मुझे बेरखा क्यों मारा ? **३.** सं. १८७२ के माध मास में मुक्तान्द स्वामी ने दीक्षा दी । **४.** शुकानन्द स्वामी के पिता का नाम जगन्नाथ विप्र था । **५.** महाराज कहते थे, 'ये शुकमुनि तो मेरे हाथपैर हैं ।' **६.** 'शुकमुनि ना चाबखा (कोड़े)' संप्रदाय में प्रसिद्ध हैं । **७.** 'चलिए, चलिए, डभाण से कोई मुक्त आ रहा है ।' **८.** सारी रात जागकर शुकानंद स्वामी ने चौदह पन्ने का जो पत्र लिखा था, वह श्रीजीमहाराज ने फाड़ दिया । **९.** श्रीजीमहाराज के पत्र व्यवहार का कार्य मुक्तानंद स्वामी करते थे । **१०.** श्रीजीमहाराज के करीब ४,००० कीर्तनों की रचना उन्होंने की हैं ।

केवल नंबर - [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

गुण : ५

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. झीणाभाई ने कमलशीभाई की चारपाई उठाई, इससे प्रसन्न होकर श्रीजीमहाराज ने उसे कितनी बार गले लगाया ?

गुण : १

.....

.....

२. देवानंद स्वामी किसके पास पिंगलशास्त्र शिखे ?

गुण : १

.....

.....

३. निर्गुणदास स्वामी का जन्म कहाँ और कब हुआ ? गुण : १

.....

.....

४. जोबनपगी के प्राण कब निकल गए ? गुण : १

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. जोबन की शरणागति । २. झीणाभाई की भक्तों के प्रति आत्मबुद्धि ।

३. महाराज के द्वारा निर्गुणदास स्वामी को दिया गया अमृत औषध ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ५ | |

प्र.१२ नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. इस देह की शोभा वस्त्राभूषणों के कारण है । | | | गुण : १ | |

.....

२. महाराज खोडियार माता के मंदिर गए । | | | गुण : १ | |

.....

३. ब्रह्मानंद स्वामी के आशीर्वाद से दलपतराम कवीश्वर हुए । | | | गुण : १ | |

.....

४. 'शिक्षापत्री अन्वयार्थ' टीका ब्रह्मानंद स्वामी ने लिखी है । | | | गुण : १ | |

.....

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. दिल्ली अक्षरधाम के दर्शन - एक अविस्मरणीय यात्रा ।
२. सब के स्नेही - प्रमुखस्वामी महाराज ।
३. अक्षरधाम में जाने के लिए पंख - आज्ञा और उपासना ।

गुण : १५	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....